2 पतरस

पतरस प्रेरित द्वारा लिखा गया पहला पत्र

1 शमौन पतरस की ओर से जो यीशु मसीह
द्वारा भेजा गया प्रेरित और सेवक है, उन
लोगों के नाम जिन्होंने हमारे परमेश्वर और
मुक्तिदाता यीशु मसीह की विश्वासयोग्यता
के द्वारा हमारे समान कीमती विश्वास
हासिल किया है।
2 परमेश्वर और यीशु मसीह को जानने से
तुम में अपरम्पार कृपा और शान्ति बढ़ती
जाए। 3 परमेश्वरीय सामर्थ ने हमें वह सब
दिया है, जिस की हमें जीवन में और
पवित्रता[a] के लिए ज़रूरत है। यह हमें उन्हीं
के ज्ञान के द्वारा दिया गया है, जिन्होंने हमें
अपनी महिमा और भले गुणों के लिए बुलाया
है। 4 ताकि तुम दी गयी इन बड़ी और कीमती
प्रतिज्ञाओं के द्वारा बुरी इच्छाओं के कारण
इस संसार में पाई जाने वाली सड़ाहट से
बचकर परमेश्वरीय स्वभाव के हिस्सेदार हो
जाओ।
5 इसी के साथ कोशिश करके तुम
विश्वास में अच्छा चाल-चलन और अच्छे
चाल-चलन में समझ, 6 और समझ पर संयम,
संयम पर धीरज, धीरज पर भक्ति, 7 भक्ति
पर भाईचारे का प्रेम बढ़ाते रहो 8 अगर
ये बातें तुम में बने रहने के साथ-साथ
ज़्यादा बढ़ती जाएँ, तब तुम यीशु मसीह को
पहचानने में बेकार और बेअसर नहीं होंगी।
9 लेकिन जिस इन्सान में ये बातें नहीं हैं, वह
धुँधला देखने वाला और अन्धा है और दूर
की बातों को नहीं देख सकता। वह आने
वाली बातों को समझ नहीं सकता और यह
भी भूल चुका है कि उसके पुराने गुनाह माफ़
हो चुके हैं।
10 इसलिए भाईयो-बहनो अपनी बुलाहट
और चुने जाने को निश्चित करने की कोशिश
करो, क्योंकि अगर तुम ये सब बातें करते
रहोगे तो कभी भी गिरोगे नहीं। 11 यही एक
तरीका है जिस से तुम्हें मुक्तिदाता यीशु
मसीह के अनन्त राज्य में शान से दाखिला
मिलेगा।
12 हालांकि तुम्हें और दूसरों को यह सच्चाई
ठीक से सिखायी गयी है, फिर भी मैं इन
बातों को याद दिलाने में कोई लापरवाही
नहीं बरतना चाहता हूँ। 13 जब-तक मैं इस
दुनिया में हूँ तब-तक तुम्हें याद दिला कर
जोश दिलाना चाहता हूँ और यह सही भी है।
14 जैसा प्रभु यीशु ने मुझे दिखाया है, और मुझे
पता है, कि इस दुनिया से मेरे चले जाने का
समय नज़दीक आ गया है। 15 इसके साथ ही
साथ मैं यह चाहूँगा, कि मेरी यहाँ की ज़िन्दगी
खत्म होने के बाद भी तुम इन बातों को याद
करते रहो।
16 जब हम ने तुम्हें परमेश्वर यीशु मसीह
की सामर्थ और उनके आने की बात बतलाई,
तो यह चालाकी से बनायी हुयी झूठी कहानी
नहीं थी, लेकिन हम तो उनकी महिमा[b]
के चश्मदीद गवाह थे। 17 क्योंकि जब ये
आकाशी आवाज़ सुनी गयी थी कि “यह मेरा
प्यारा बेटा है, जिस से मैं बहुत ज़्यादा खुश
हूँ”, तो इस से यीशु ने परमेश्वर पिता से
आदर और बड़ा नाम पाया था। 18 हम ने यह

---

[a] **1.3** उचित जीवन [b] **1.16** तेज

आवाज़ पवित्र पहाड़ से सुनी थी, जब हम
उस पहाड़ पर उनके साथ थे।
19 यह भविष्यवाणी ऐसी है जैसे कि अँधेरे
में रोशनी का चमकना, जब तक यीशु मसीह
लौटते नहीं और उनकी तेज़ रोशनी हमारे
दिलों में नहीं चमकती। 20 इन सब से बढ़
कर जान लो, कि बाइबल में पायी जाने
वाली कोई भी भविष्यद्वाणी, भविष्यद्वक्ता
की अपनी सोच नहीं है। 21 क्योंकि बीते दिनों
में कोई भी भविष्यद्वाणी इन्सान की इच्छा से
नहीं हुयी, लेकिन परमेश्वर के लिए अलग
किये गए लोग पवित्र आत्मा के उभारे जाने
के बाद बोला करते थे।

2 जैसे उनके बीच में झूठे भविष्यद्वक्ता
थे, वैसे ही तुम्हारे बीच में भी
झूठे शिक्षक होंगे, जो बड़ी चालाकी से
पाखण्ड की बातें पेश करने के साथ-साथ
उस परमेश्वर का इन्कार करेंगे जिन्होंने
विश्वासियों को मोल लिया है। इस
कारणवश वे अपने ऊपर बहुत जल्दी बर्बादी
को लाएँगे। 2 बहुत से लोग उनके नुकसान
पहुँचाने वाले चालचलन को अपना लेंगे और
उनकी वजह से सच्चाई के रास्ते की बदनामी
की जाएगी। 3 अपने फ़ायदे के लिए वे अपनी
बनाई हुयी शिक्षा से तुम्हें अपने व्यापार का
साधन बनाएँगे। उनकी सज़ा बहुत पहले
ठहरा दी गयी थी और यह उन्हें बहुत जल्दी
मिल भी जाएगी।
4 क्योंकि अगर परमेश्वर पिता ने अपने
खिलाफ़ बलवा करने वाले स्वर्गदूतों को
नहीं छोड़ा, बल्कि नरक में डाल कर
अन्धेरे की जंजीरों से बान्ध दिया, ताकि
वे आखिरी फ़ैसले तक वहीं रहें। 5 और
सच्चाई के संदेशवाहक नूह और सात लोगों
को छोड़कर, बलवा करने वाली पीढ़ी
को जल-प्रलय से नाश करके उस पुरानी
दुनिया को भी नहीं छोड़ा। 6 अगर उन्होंने
सदोम-अमोरा का नामों-निशां मिटा कर राख
बना दिया ताकि भविष्य में बुरा करने वालों
के लिये एक नमूना छोड़ दें। 7 तथा धर्मी
लूत को छुड़ा लिया, जो गंदा जीवन जीने
वालों की वजह से बहुत परेशान था, 8 और
उनके बीच में रहते हुए जो कुछ देखता और
सुनता था, उसकी वजह से बहुत पीड़ित
था, 9 तो यीशु जानते हैं कि मुक्ति पाए हुए
व्यक्ति को परख के समय से कैसे छुड़ाया
जाए और दुष्ट व्यक्ति को न्याय के दिन
तक सज़ा दिए जाने के समय तक कैसे रखा
जाए। 10 खासकर जो अशुद्ध करने वाली
चाह में लिपटे रहते हैं और अधिकार को
तुच्छ जानते हैं। वे घमण्डी और ज़िद्दी हैं और
अधिकार के खिलाफ़ में बातें करने से पीछे
नहीं हटते। 11 हालांकि स्वर्गदूत अधिकार
और शक्ति में अधिक बलवान होते हैं, फिर
भी उन लोगों के खिलाफ़ में परमेश्वर के
सामने गन्दे इल्ज़ाम नहीं लगाते।
12 लेकिन ये लोग नासमझ जानवर की तरह
हैं जो पकड़े जाने और नाश किए जाने के लिए
पैदा हुए हैं, जिन बातों की समझ उन्हें नहीं
है, ये लोग उसी की बुराई करते हैं, और वे
अपने बर्बादी में ही मिट जाएँगे। 13 इन्हें बुराई
का बदला ज़रूर मिलेगा। वे दिन की रोशनी
में मज़ा लेना चाहते है वे दाग और धब्बा हैं।
वे तुम्हारे साथ खाना तो खाते हैं, लेकिन उन्हें
अपने धोखे में ही पड़ा रहना अच्छा लगता
है। 14 उनकी आँखें व्यभिचार से भरी हुयी
हैं और वे गुनाह करने से रूक नहीं सकते।
वे चंचल मन वाले लोगों को फँसा लेते हैं।
उनका मन लालच का आदी हो गया है। वे
शापित लोग हैं। वे सही रास्ते को छोड़कर
गुमराह हो गए हैं। 15 बओर के बेटे बिलाम,

जिस ने बेईमानी के लाभ से प्यार किया था,
उन्होंने उसी के रास्ते को अपना लिया है।
16 बिलाम से गधी ने इन्सान की ज़ुबान में
बोल कर उसके बलवापन के लिए उसे डाँट
कर उसके पागलपन को रोकना चाहा था।
17 ये लोग ऐसे कुओं के समान हैं, जो सूखे
होते हैं। ऐसे बादल जिन्हें हवा उड़ा ले जाती
है। उनके लिए अँधियारे का कालापन हमेशा
के लिए आरक्षित है। 18 जब वे बढ़ा-चढ़ा
कर बेकार की बातें करते हैं, वे बड़ी बेशर्मी
के साथ शरीर की इच्छा से उन लोगों को
फँसा लेते हैं, जो इन बुराई में रहने वालों से
बच निकले हैं। 19 वे दूसरों को आज़ादी का
वायदा करते हैं, लेकिन खुद गुनाह के गुलाम
हैं। जिस बात से एक आदमी हार जाता है,
वही उसको गुलामी में लाती है। 20 इसलिए
कि अगर वे मुक्तिदाता यीशु मसीह को
जानने के बाद इस दुनिया की सड़ाहट से
बच गए हैं, और वे फिर से उसमें फँसते हुए
घिर जाते हैं, तो उनका अन्त उनकी शुरूआत
से बदतर है। 21 उनके लिए यह भला होता
कि उन्होंने सच्चाई के रास्ते को जाना ही
नहीं होता, बजाए इसके कि पवित्र आज्ञा को
जानने के बाद उससे मुड़ जाएँ। 22 लेकिन वे
एक सच्ची कहावत के जैसे हैं: “कुत्ता अपनी
उल्टी को फिर चाटता है और धुला-धुलाया
सूअर फिर से कीचड़ में जाता है।”

3 प्यारे दोस्तो, मैं तुम्हें यह दूसरी चिट्ठी
लिख रहा हूँ। मैं याद दिलाने के लिए
तुम्हारे शुद्ध मनों को उभार रहा हूँ, 2 ताकि
हम प्रेरितों से मुक्तिदाता यीशु द्वारा दी गयी
आज्ञा और भविष्यद्वक्ताओं द्वारा पहले से
दिए गए वचनों को तुम याद करो।
3 सब से पहले तुम यह जान लो, कि
आखिरी दिनों में ठट्ठा करने वाले अपनी चाह
के आधार पर जीवन जीने वाले होंगे। 4 और
ऐसा बोलने वाले आएँगे कि यीशु के आने
का वायदा कहाँ है? क्योंकि जब से हमारे
पूर्वज मर गए, सभी बातें वैसी ही हैं, जैसी
दुनिया के शुरूआत से हैं? 5 वे जान-बूझकर
इस सच्चाई का इन्कार करेंगे कि आकाश की
रचना बहुत पहले सृष्टिकर्ता के कहने से हुयी
थी। यह भी कि पृथ्वी जल में से निकली और
जल ही में स्थिर है। 6 उस समय की दुनिया
पानी से ढँक गयी थी और बर्बाद हो गयी थी।
7 लेकिन उसी परमेश्वर के शब्दों से वर्तमान
के आकाश और पृथ्वी, आग से बर्बाद किए
जाने के लिए रखे गए हैं, जब तक इन्साफ़ का
दिन और बुरे लोगों की बर्बादी का वक्त न
आ जाए।
8 लेकिन प्यारे भाईयो-बहनो, इस बात से
अनजान न रहो कि यीशु के लिए एक दिन,
हज़ार साल के बराबर है और हज़ार साल
एक दिन की तरह हैं। 9 परमेश्वर अपने
वायदों को पूरा करने में धीमे नहीं हैं, जैसा
कि कुछ लोग समझते हैं। लेकिन वह हमारे
लिए धीरज रखने वाले हैं, क्योंकि वह नहीं
चाहते कि कोई इन्सान बर्बाद हो, लेकिन यह
कि सभी का मन बदल जाए।
10 लेकिन परमेश्वर का दिन रात में चुपके
से आने वाले चोर के आने की तरह होगा।
उस दिन आकाश एक बड़ी आवाज़ के साथ
गायब हो जाएगा और बड़ी गर्माहट के साथ
ही सभी चीजें पिघल जाएँगी। दुनिया और
इस पर के सभी काम जल जाएँगे। 11 जब
ये सभी वस्तुएँ इस तरह पिघलने वाली हैं,
तुम लोगों को चाल-चलन और खरे जीवन में
कैसे लोग होना चाहिए? 12 तुम प्रभु के दिन
का इन्तज़ार करते और यीशु के जल्दी आने
का इन्तज़ार करते हो, जब आकाश और
इसके सभी तारे जलते हुए बर्बाद हो जाएँगे।

13 लेकिन हम उनके वायदों के अनुसार एक
नए आकाश और नयी पृथ्वी का इंतज़ार
कर रहे हैं, जहाँ केवल ईमानदारी, सच्चाई,
इन्साफ़ और नैतिकता ही रहेगी।
14 प्यारे दोस्तो जब कि तुम इन सब बातों
के इन्तज़ार में हो, प्रयत्न करो कि आपस
में मेल जोल से रहते हुए और बेदाग और
निर्दोष हालत में पाए जाओ। 15 यह भी जानो
कि हमारे प्रभु का धीरज ही हमारे लिए
कल्याणकारी और सुरक्षा है, जैसा कि हमारे
प्यारे भाई पौलुस ने प्राप्त हुए ज्ञान के आधार
पर तुम्हें लिखा है। 16 जैसा कि उसकी सभी
चिट्ठियों में ये सभी बातें लिखी हैं, उन में कुछ
समझने में कठिन हैं। जो लोग ना समझ हैं
और डावाँडोल होते हैं, इन बातों को उसी
तरह से तोड़-मरोड़ देते हैं जैसे वे अपने
नुकसान के लिए पवित्र बाइबल के साथ
करते हैं।
17 हे भाईयो-बहनो, क्योंकि तुम पहले से
इन सभी बातों को जानते हो, इसलिए
सावधान रहो कहीं दुष्ट की दुष्टता के कारण
गुमराह होकर सच्चाई से भटक न जाओ।
18 लेकिन हमारे मुक्तिदाता यीशु मसीह की
असीम कृपा और उनकी पहचान में बढ़ते
जाओ। उन्हीं की बड़ाई अब से लेकर सदा
तक होती रहे।

DUSTY SANDALS
All Rights Reserved. www.dustysandals.com